ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

उदयपुर, बुधवार 28 जनवरी 2026

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

वर्ष 2 अंक 263

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार का विमान हादसे में निधन, दो पायलट और दो अन्य की भी मौत, अंतिम संस्कार गुरुवार सुबह 11 बजे बारामती में



24 न्यूज अपडेट

बारामती (महाराष्ट्र)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार (66) का बुधवार सुबह बारामती एयरपोर्ट पर चार्टर्ड विमान दुर्घटना में निधन हो गया। विमान लैंडिंग के प्रयास के दौरान रनवे के पास क्रैश-लैंड हुआ और उसमें आग लगने से सभी 5 सवारियों की जान चली गई। मुंबई से सुबह 8.10 बजे रवाना हुए विमान ने बारामती में पहली लैंडिंग असफल होने के बाद पुनः ऊँचाई लेकर उतरने का प्रयास किया। इसी दौरान विमान रनवे के करीब दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे के समय पायलट ने कोई एमर्जेंसी सिग्नल या 'मेडे' कॉल नहीं किया। विमान में उपमुख्यमंत्री के साथ दो पायलट और दो अन्य सदस्य सवार थे। पवार बारामती में 5 फरवरी को होने वाले जिला परिषद चुनावों के लिए चार रैलियों को संबोधित करने वाले थे। हादसे की सूचना मिलते ही मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस घटनास्थल पहुंचे और राज्य में तीन दिन का राजकीय शोक घोषित किया। इसके साथ ही स्कूलों को बंद करने का आदेश दिया गया। पवार का अंतिम संस्कार गुरुवार सुबह 11 बजे बारामती में किया जाएगा। दुर्घटना स्थल पर साक्षियों ने बताया कि विमान रनवे किनारे से फिसलकर जमीन पर गिरा और आग की चपेट में आ गया। विमान Learjet 45XR (VT-SSK) था, लगभग 16 वर्ष पुराना, और इसे VSR Aviation द्वारा संचालित किया जा रहा था। कंपनी ने पुष्टि की कि विमान में कोई तकनीकी खराबी नहीं थी और पायलट के पास हजारों घंटे का उड़ान अनुभव था। हादसे के कारणों की जांच AAIB (एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो) द्वारा की जा रही है। राजनीतिक परिदृश्य पर इस घटना का व्यापक असर देखा जा रहा है। पवार एनसीपी के वरिष्ठ नेता और महाराष्ट्र सरकार में उपमुख्यमंत्री थे। उनके निधन से पार्टी और सरकार दोनों में एक बड़ा शून्य पैदा हो गया है। देशभर के नेताओं ने संवेदना व्यक्त की है, जबकि महाराष्ट्र और देश में उनके समर्थक और आम जनता गहरे शोक में हैं। यह हादसा न केवल राज्य बल्कि राष्ट्रीय राजनीति में भी भारी प्रभाव डालने वाला माना जा रहा है, जिससे आगामी सियासी समीकरण और चुनावी रणनीतियों में बदलाव की संभावना जताई जा रही है।

अमेजन 16,000 और कर्मचारियों को नौकरी से निकालेगी:कुल 30,000 ऑफिस वर्कर्स की छंटनी होगी; 2023 के बाद सबसे बड़ा लेऑफ



24 न्यूज अपडेट

दुनिया की सबसे बड़ी ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन ने बुधवार को 16,000 और कर्मचारियों की छंटनी करने का एलान किया है। यह पिछले साल अक्टूबर में शुरू हुई रीस्ट्रक्चरिंग प्रोसेस का हिस्सा है।

उस समय कंपनी ने 14,000 पदों को खत्म करने की बात कही थी, लेकिन अब कुल छंटनी का आंकड़ा बढ़कर 30,000 हो गया है।

मैनेजमेंट की लेयर्स कम करना चाहती है कंपनी

अमेजन की सीनियर वाइस प्रेसिडेंट बेथ गैलेटी ने एक बयान में कहा कि इन नौकरियों में कटौती का मकसद मैनेजमेंट की लेयर्स को कम करना, जिम्मेदारी बढ़ाना और कंपनी के भीतर ब्यूरोक्रेसी को खत्म करना है। कंपनी चाहती है कि उसके कर्मचारी तेजी से फैसले ले सकें और ग्राहकों के लिए नए इनोवेशन करने की क्षमता बढ़ा सकें।

MDSU परीक्षा की कॉपियां करवाई बच्चों से चेक, परीक्षक और दो रिश्तेदारों पर मामला दर्ज



24 न्यूज अपडेट

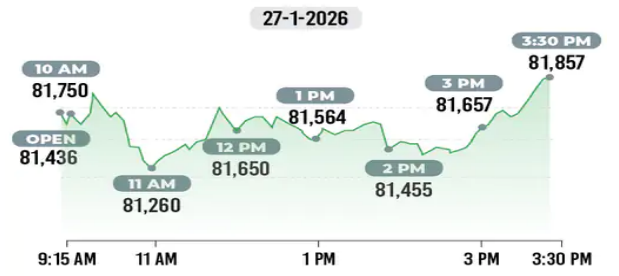
नागौरः महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय (एमडीएसयू), अजमेर की मुख्य परीक्षाओं की उत्तर पुस्तिकाओं की गोपनीयता और सुरक्षा को लेकर एक गंभीर मामला सामने आया है. बीए प्रथम वर्ष के सेकंड सेमेस्टर (हिस्ट्री ऑफ इंडिया) विषय की 12 नवंबर को आयोजित परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं को बच्चों द्वारा जांचे जाने का एक वीडियो गत 15 जनवरी को सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिससे विश्वविद्यालय प्रशासन में हड़कंप मच गया. वीडियो के वायरल होते ही विश्वविद्यालय प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल उच्च स्तरीय जांच कमेटी का गठन किया. अब एफआईआर दर्ज करवाई गई है.

रिपोर्ट में लापरवाही की पुष्टिः जांच कमेटी ने इस पूरे मामले की गहन पड़ताल की. जांच के दौरान नागौर जिले के बलदेव राम मिर्धा राजकीय कॉलेज के प्राचार्य हरसूख छरंग को कमेटी के समक्ष तलब किया गया. साथ ही संबंधित परीक्षक सुरेशचंद बेंधा को भी बयान देने के लिए बुलाया गया. जांच में यह स्पष्ट हुआ कि परीक्षक द्वारा उत्तर पुस्तिकाओं को सुरक्षित तरीके से नहीं रखा गया था, जिसके चलते बच्चों को उन कॉपियों के साथ छेड़छाड़ करने का अवसर मिला. वीडियो में दिखाई गई लापरवाही की पुष्टि जांच कमेटी ने अपनी रिपोर्ट में की.

परीक्षक और 2 रिश्तेदारों के खिलाफ मामला दर्जः जांच रिपोर्ट सामने आने के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए. इसके तहत मिर्धा कॉलेज के प्राचार्य की ओर से नागौर कोतवाली थाने में परीक्षक सुरेशचंद बेंधा तथा उनके दो रिश्तेदारों के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया है. पुलिस ने सरकारी दस्तावेजों के साथ लापरवाही और परीक्षा की गोपनीयता भंग करने से संबंधित धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

सेंसेक्स 487 अंक चढ़कर 82,344 पर बंद हुआः निफ्टी में भी 167 अंक की तेजी रही, ऑयल एंड गैस सेक्टर सबसे ज्यादा 3.4% तक चढ़ा

सेंसेक्स 3:30 बजे तक

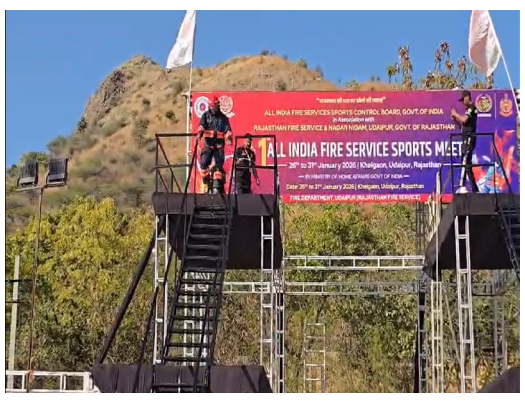


24 न्यूज अपडेट

शेयर बाजार आज यानी 28 जनवरी (बुधवार) को तेजी के साथ बंद हुआ। सेंसेक्स 487 अंक चढ़कर 82,344 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी भी 167 अंक चढ़ा, ये 25,342 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं कारोबार के दौरान सेंसेक्स अपने दिन के ऊपरी स्तर से करीब 650 अंक और निफ्टी भी डे हाई से 185 अंक गिरा था। कारोबार के दौरान सेंसेक्स ने 82,503 का और निफ्टी ने 25,372 का हाई बनाया था। ऑयल एंड गैस सेक्टर में सबसे ज्यादा 3.4% की तेजी देखने को मिली। फाइनेंशियल सर्विसेज, ऑटो, IT, मीडिया, मेटल, सरकारी बैंक, प्राइवेट बैंक और रियल्टी सेक्टर में भी 2.5% तक की तेजी रही। सेंसेक्स 30 में से 22 शेयरों में तेजी और 8 में गिरावट देखने को मिल रही है। BEL, जोमैटो और बजाज फाइनेंस के शेयरों में 9% तक की तेजी है। वहीं एशियन पेंट्स, मारुती सुजुकी और सन फार्मा के शेयर्स में 4% तक की गिरावट रही।

खेल गांव में टफेस्ट फायर फाइटर अलाइव प्रतियोगिताः अग्निशमन कर्मियों ने दिखाई अद्वितीय बहादुरी और फिटनेस

24 न्यूज अपडेट



उदयपुर। 1ST ऑल इंडिया फायर सर्विस स्पोर्ट्स एंड मीट – 2026 के अंतर्गत खेल गांव, उदयपुर में आयोजित टफेस्ट फायर फाइटर अलाइव प्रतियोगिता ने दर्शकों को रोमांच और उत्साह के क्षण दिए। यह प्रतियोगिता अग्निशमन कर्मियों की शारीरिक क्षमता, साहस और धैर्य की असली परीक्षा साबित हुई। प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों से आए फायर फाइटर्स ने अपने कौशल और दक्षता का प्रदर्शन किया। मुख्य अग्निशमन अधिकारी बाबूलाल चौधरी ने बताया कि प्रतियोगिता का उद्देश्य कर्मियों को वास्तविक आपात स्थितियों के लिए मानसिक और शारीरिक रूप से तैयार करना है। प्रतिभागियों को भारी उपकरण उठाकर सीढ़ी दौड़, होज़ हैंडलिंग, अवरोध पार करना और वजन उठाने जैसी चुनौतीपूर्ण गतिविधियों में भाग लेना पड़ा, जिसमें उन्होंने अनुशासन और टीम वर्क की उच्चतम मिसाल पेश की। देशभर से आए 28 राज्यों और 8 केंद्र शासित प्रदेशों के अग्निशमन अधिकारी और कार्मिक इस प्रतियोगिता में हिस्सा ले रहे हैं। इसके अतिरिक्त, डिफेंस फायर सर्विस, नेवल डॉकयार्ड, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (AAI), डीआरडीओ (DRDO) और रक्षा अकादमी की फायर सर्विस इकाइयों ने भी इस महाकुंभ में भाग लेकर अखिल भारतीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा को रोमांचक बना दिया। प्रतियोगिता को देखने के लिए बड़ी संख्या में अधिकारी, कर्मचारी और खेल प्रेमी उपस्थित रहे। उन्होंने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया और उनकी बहादुरी और फिटनेस की प्रशंसा की। मुख्य अग्निशमन अधिकारी ने सफल प्रतिभागियों को सम्मानित किया और भविष्य में भी इस प्रकार के आयोजन आयोजित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। यह राष्ट्रीय खेल महाकुंभ 26 जनवरी से 31 जनवरी 2026 तक चल रहा है। पहले ही दिन कई मुकाबले आयोजित हुए, जिनमें खिलाड़ियों ने अद्वितीय कौशल, अनुशासन और खेल भावना का परिचय दिया, जिससे दर्शकों में जोश और उत्साह का वातावरण बन गया। ऐसे आयोजनों से न केवल अग्निशमन कर्मियों की कार्यकुशलता बढ़ती है, बल्कि आपदा प्रबंधन के दौरान त्वरित और प्रभावी कार्रवाई के लिए भी प्रेरणा मिलती है।

यूजीसी नियमों के विरोध में प्रदर्शन करने आए मगर मोदी विरोध पर आपस में भिड़ गए



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) द्वारा हाल ही में लागू किए गए नए नियमों के विरोध में विप्र समाज और स्वर्ण संगठनों के लोगों ने मंगलवार को जिला कलेक्ट्रेट पर जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन असहज स्थिति में बदल गया जब संगठन के कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए। घटना की शुरुआत जनता सेना से जुड़े पंकज सुखवाल द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ नारेबाजी करने से हुई, जिससे माहौल गर्मा गया।

विप्र फाउंडेशन के बैनर तले हुए इस प्रदर्शन में हजारों की संख्या में लोग शामिल थे। उन्होंने राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपते हुए UGC के नए नियमों को तत्काल प्रभाव से वापस लेने की मांग की। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि यह नया कानून संविधान के मूल ढांचे और समानता के अधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। उन्होंने उल्लेख किया कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14, 15 और 21 प्रत्येक नागरिक को समानता और सुरक्षा का अधिकार प्रदान करते हैं, लेकिन यूजीसी के नए नियम इन प्रावधानों के अनुरूप नहीं हैं।

मौके पर प्रदेश अध्यक्ष नरेंद्र पालीवाल, राकेश जोशी, मगन जोशी, केशव व्यास और सुरेश शर्मा सहित कई वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद थे। हालांकि, पंकज सुखवाल द्वारा प्रधानमंत्री के खिलाफ नारेबाजी शुरू होने के बाद भाजपा नेता अर्चना शर्मा ने कड़ी आपत्ति जताई। शर्मा ने इसे गरिमा के खिलाफ बताया और कहा कि विरोध केवल नीतिगत मुद्दों और नियमों पर होना चाहिए, व्यक्तिगत टिप्पणी पर नहीं। सदस्य आपस में बंट गए और दो धड़ों में हो गए। माहौल इतना तनावपूर्ण हो गया कि अफरा-तफरी फैल गई। वरिष्ठ पदाधिकारियों और समाज के अन्य प्रबुद्ध जनों ने हस्तक्षेप कर दोनों पक्षों को शांत किया। इसके बाद ज्ञापन सौंपने की प्रक्रिया पूरी हुई और मामला ठंडा पड़ा।

देशभर में UGC के नए नियमों का विरोधःUP में सवर्ण युवकों ने मुंडन कराया, बिहार में फांसी मांगी; सुप्रीम कोर्ट सुनवाई को तैयार



24 न्यूज अपडेट

देशभर में जनरल कैटेगरी के स्टूडेंट्स और सवर्ण जाति के लोगों का यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन (UGC) के नए नियमों को लेकर विरोध जारी है। बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने नए नियमों के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई की मांग स्वीकार की।

सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की बेंच ने वकीलों की दलीलों पर ध्यान दिया। सीजेआई ने कहा- हमें पता है कि क्या हो रहा है। सुनिश्चित करें कि खामियों को दूर किया जाए। हम इसे लिस्ट करेंगे।

इधर, यूपी-बिहार में आज भी जमकर हंगामा हुआ। स्टूडेंट्स और सवर्ण जातियों के लोग सड़कों पर उतरे। यूपी के पीलीभीत में सवर्ण समाज के युवकों ने मुंडन कराया। बिहार में PM मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के पोस्टर पर कालिख पोती गई। UGC ने 13 जनवरी को अपने नए नियमों को नोटिफाई किया था। इसका नाम है- 'प्रमोशन ऑफ इक्विटी इन हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशन रेगुलेशन्स, 2026।' इसके तहत कॉलेजों और यूनिवर्सिटी में जाति आधारित भेदभाव को रोकने के लिए विशेष समितियां, हेल्पलाइन और मॉनिटरिंग टीमें बनाने के निर्देश दिए हैं।

सोना आज 5,734 बढ़कर 1.63 लाख पर पहुंचाःचांदी दो दिन में 40,562 बढ़ी, 3.58 लाख/KG पहुंची; 28 दिन में 1.29 लाख महंगी हुई



24 न्यूज अपडेट

चांदी-सोने के दाम लगातार तीसरे दिन ऑल टाइम हाई पर हैं। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार आज 28 जनवरी को 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 5,734 रुपए बढ़कर 1,64,635 रुपए पर पहुंच गया है।

दो दिन में सोना 10,335 महंगा हुआ है। इससे पहले सोने का भाव 23 जनवरी को 1,54,310 रुपए/10G था। वहीं एक किलो चांदी आज 17,257 रुपए बढ़कर 3,61,821 रुपए किलो पर ओपन हुई। हालांकी शाम तक यह 13,703 रुपए बढ़कर 3,58,267 पर बंद हुई है। दो दिन में चांदी की कीमत 40,562 रुपए महंगी हुई है। इससे पहले शुक्रवार को इसकी कीमत 3,17,705 रुपए किलो थी। इस साल अब तक सिर्फ 28 दिन में ही ये 1.29 लाख रुपए महंगी हो चुकी है।

संपादकीय : हिंसा की आग

काफी मुश्किल से मणिपुर में हालात थोड़े काबू में आते दिखने लगे थे और इसी वजह से उम्मीद की जाने लगी थी कि वहां जटिल हो चुकी समस्या का अब शायद कोई समाधान निकल सके। मगर राज्य में बीते कुछ दिनों के भीतर जिस तरह हिंसा की एक नई लहर देखी जा रही है, उससे एक बार फिर स्थिति बिगड़ने की आशंका खड़ी हो गई है। गौरतलब है कि मणिपुर के कांगपोकपी जिले के सोंगलुंग गांव में सोमवार को आवादियों ने कई घरों और फार्म हाउसों में आग लगी दी। यह इलाका कुकी-जो बहुल है और पहले भी कुछ उग्रवादी संगठनों के निशाने पर रहा है। हालांकि आगजनी और हमले में किसी की जान नहीं गई, लेकिन यह साफ है कि इस वारदात का मकसद जातीय तनाव की आग को भड़काना और राज्य को फिर से अराजकता की आग में झोंकना था। इसके संकेत भी सामने आए जब कांगपोकपी जिले के एक कुकी संगठन ने सरकार से चौबीस घंटे के भीतर अपराधियों को गिरफ्तार करने की मांग की और ऐसा न होने पर कार्रवाई करने की चेतावनी दी। संगठन ने यह भी कहा कि जिले के कुकी बहुल इलाकों के गांवों को जानबूझ कर निशाना बनाया जा रहा है। ऐसे में अगर हालात बिगड़ते हैं तो उसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। अफसोस की बात यह है कि हिंसा की आग से उपजी व्यापक त्रासदी के बावजूद अब भी कोई ऐसा हल सामने नहीं आ सका है, जिससे विवाद और टकराव में शामिल सभी समुदाय सहमत हों और शांति की राह निकल सके। इसके उलट अब ऐसे मुद्दों पर भी हिंसक गतिविधियां सामने आती दिखने लगी हैं जो दो समुदायों के बीच दूरी को पाटने की एक कड़ी बन सकती थी। हाल ही में एक कुकी युवती से विवाह करने वाले मैतेई युवक की संदिग्ध उग्रवादियों ने हत्या कर दी। दूसरी ओर, खबरों के मुताबिक, सोंगलुंग गांव में ताजा हमला करने वाले उग्रवादी संगठन का कहना है कि जिस इलाके में घरों और फार्महाउसों को जलाया गया, वहां अफीम की अवैध खेती होती थी जबकि कुकी जो संगठनों का कहना है कि सोंगलुंग गांव में कभी अफीम की खेती नहीं हुई और अस्थायी फार्महाउसों के बजाय आवासीय मकानों को जला दिया गया। सवाल है कि अगर कहीं कोई अवैध गतिविधि चल रही है, तो उसके खिलाफ कार्रवाई करने की जिम्मेदारी प्रशासन की है या उग्रवादी संगठन की ? यह छिपा नहीं है कि मई, 2023 से मणिपुर में जारी हिंसा की आग का सबसे बड़ा कारण अलग-अलग स्थानीय समुदायों के बीच कई मसलों पर सीधा टकराव रहा है। हिंसा और अराजकता में अब तक वहां ढाई सौ से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है और हजारों लोग बेघर हो गए। मगर अफसोस की बात है कि मैतेई समुदाय को जनजातीय दर्जा देने के सवाल पर उपजे विरोध के बाद जारी हिंसा और अराजकता का हल आज तक नहीं निकल सका है, जबकि केंद्र सरकार, राज्य सरकार और स्थानीय विवाद में शामिल जातीय संगठनों के बीच कई स्तर पर बातचीत हुई। हैरानी की बात है कि देश के किसी भी इलाके में हिंसा और अराजकता जैसे हालात पर काबू पाने के मकसद से गठित सुरक्षा बलों का तंत्र भी वहां नाकाम दिखता है। दरअसल, जिन सवालों पर वहां विभिन्न समुदायों के बीच टकराव खड़ा हुआ, सबसे पहले उसका समाधान निकालने की जरूरत है। मगर इसके लिए ईमानदार इच्छाशक्ति की जरूरत है, जिसका फिलहाल राज्य और शासन से लेकर हर स्तर पर अभाव दिखता है।

अनदेखी का दंश

तेजाब से हमले की भयावहता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इससे केवल शारीरिक पीड़ा ही नहीं, बल्कि गहरा मानसिक और भावनात्मक आघात भी पहुंचता है। कई बार पीड़ित महिलाओं को अवसाद और सामाजिक अलगाव का सामना भी करना पड़ता है, जो उनके लिए जिंदगी भर का दर्द बन जाता है। सवाल है कि इस तरह के हमलों पर अंकुश क्यों नहीं लग पा रहा है ? साथ ही पीड़ित महिलाओं को समय पर न्याय मिल रहा है। या नहीं, उनके पुनर्वास के लिए सरकारी योजनाओं की स्थिति क्या है और पीड़ितों को उनका लाभ मिल पा रहा है या नहीं? ये ऐसे सवाल हैं, जिनको लेकर सर्वोच्च न्यायालय भी चिंतित है। यही वजह है कि मंगलवार को शीर्ष अदालत ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से तेजाब हमलों से संबंधित मामलों का वर्ष वार ब्योरा अदालतों में उनकी स्थिति तथा पीड़ितों की मदद के लिए पुनर्वास उपायों का विस्तृत विवरण देने को कहा है। साथ ही केंद्र सरकार से संबंधित कानून में बदलाव पर विचार करने को भी कहा है, ताकि दोषियों को कड़ी सजा मिल सके। गौरतलब है कि सर्वोच्च न्यायालय ने वर्ष 2013 में खुले बाजार में तेजाब की बिक्री पर रोक लगा दी थी । इसके बाद तेजाब से हमले की घटनाओं में थोड़ी कमी देखी गई, मगर पिछले कुछ वर्षों से यह आंकड़ा फिर बढ़ने लगा है। राष्ट्रीय अपराध रेकार्ड ब्यूरो की एक रपट के मुताबिक, वर्ष 2017 में तेजाब हमलों के 244 मामले दर्ज हुए थे, जबकि वर्ष 2021 में ऐसे 176 मामले सामने आए। वर्ष 2023 में यह आंकड़ा बढ़कर 207 हो गया । ऐसे में यह सवाल महत्त्वपूर्ण है कि जब खुले बाजार में तेजाब की बिक्री पर रोक है, तो फिर आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों की इस तक पहुंच कैसे संभव हो पा रही है। जाहिर है, कुछ लोग अवैध तरीके से तेजाब की बिक्री करते हैं और सरकारी तंत्र की अनदेखी का देश कई महिलाओं को झेलना पड़ता है। यह बात भी छिपी नहीं है कि तेजाब हमले के पीड़ितों एवं उनके परिजनों को कई बार न्याय के लिए वर्षों तक अदालत के चक्कर काटने पड़ते हैं और उनके पुनर्वास की सरकारी योजनाएं भी कागजों तक ही सीमित रह जाती है।

गोगुन्दा पुलिस ने हाईवे पर खड़े ट्रेलरों पर की कार्रवाई, 05 वाहन जब्त



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। गोगुन्दा थाना पुलिस ने उदयपुर-पिण्डवाड़ा एनएच 27 हाईवे पर बेतरतीब तरीके से खड़े किए गए ट्रेलरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की। गोगुन्दा टोल प्लाजा के पास पांच ट्रेलर चालकों ने अपने वाहनों को बिना किसी नियम का पालन किए हाईवे पर खड़ा कर दिया था, जिससे आम नागरिकों के लिए गंभीर सुरक्षा खतरा पैदा हो गया और दुर्घटना की संभावना बनी रही। इसी स्थिति को देखते हुए थाना गोगुन्दा के थानाधिकारी श्री श्याम सिंह ने अपनी टीम के साथ तत्काल कार्रवाई की और पांचों ट्रेलरों को जब्त कर लिया। इस मामले में धारा 285 बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है और मामले की आगे की जांच जारी है। जब्त किए गए ट्रेलरों के नंबर इस प्रकार हैं: RJ-06GE-4618, RJ-06-GE-2639, RJ-06-GE-4785, RJ-52-GA-2218 और GJ-12-BW-2737। पुलिस टीम में शामिल प्रमुख अधिकारी और सदस्य थे: थानाधिकारी श्री श्याम सिंह, सहायक उप निरीक्षक श्री हरिसिंह, कांस्टेबल श्री दिपेंद्र (संख्या 1391), कांस्टेबल श्री भूपेन्द्र (संख्या 387), कांस्टेबल श्री किशोर (संख्या 3107) और कांस्टेबल श्री परमार (संख्या 1655)। पुलिस ने बताया कि आगे की जांच में ट्रेलरों को हाईवे पर खड़ा करने वाले चालकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। थाना गोगुन्दा ने आम नागरिकों से अपील की है कि किसी भी प्रकार के अवैध वाहन खड़े करने या यातायात बाधित करने की सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि सड़क सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

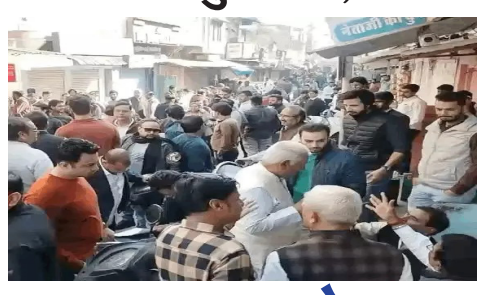
विशाल मशाल रैली निकाल हिन्दू सम्मेलन का किया आगाज, आयड़ बस्ती का हिन्दू सम्मेलन 2 फरवरी को



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। सर्वसमाज की ओर से आयड़ बस्ती का हिन्दू सम्मेलन आगामी 02 फरवरी को सायं 05 बजे विश्वविद्यालय मार्ग स्थित सुथारवाडा चौराहे पर आयोजित किया जायेगा। संयोजक गणेश पालीवाल ने बताया कि सम्मेलन को परम पूज्य श्री श्री मेवाड पीठाधीश्वर संत 1008 सुदर्शन महाराज, वैदिक विचारक मीनाक्षी सहरावत धर्म सभा को सम्बोधित करेंगे। रेली संयोजक गोविंद ने बताया कि सम्मेलन का आगाज मशाल रेली से किया गया जिसमें महिला एवं पुरूष हाथों में मशाल, केसरिया झण्डा लिये भजन गाते हुए आमजन को हिन्दू सम्मेलन में आने का न्यौता दे रहे थे। मशाल रेली सुथारवाडा चौराये से शुरू हुई जो बस्ती के विभिन्न मार्गो से होती हुई पुनः उसी स्थान पर सम्पन्न हुई। रेली में सबसे अधिक भागीदारी युवाओं की रही। सम्मेलन में हर परिवार की भागीदारी हो इसके लिए कार्यकर्ता समुह बनाकर सुबह शाम प्रभात फेरिया निकाल रहे है और पीले चावल एवं पत्रक देकर समारोह में आने का निमंत्रण दे रहे है। समारोह की पूर्व संध्यॉ 01 फरवरी को सायं विशाल वाहन रेली निकाली जायेगी। उन्होंने बताया कि हिन्दू सम्मेलन के दिन किसी के घर में चुल्हा नहीं जले इसका प्रयास कार्यकर्ताओं की ओर से किया जा रहा है एवं समारोह के बाद विशाल भंडारे का आयोजन किया जायेगा। इस अवसर पर सहसंयोजक चेतन साहू, प्रकाश घरबडा, पूर्व पार्षद मनोहर चौधरी, महेश भावसार, गोपालकृष्ण गौड, राजेश माली, नरेन्द्र चौधरी, नीलकंठ रावत, यशवंत पालीवाल, हेमा भावसार, गरिमा सुथार, गीता नागदा, शिवशंकर नागदा, राजकुमार दमामी, पियुष जयंत शर्मा, नवनीत चितौडा, कपीश जैन, धवल सुथार, तारूलाल पुजारी, मनोज घरबडा, दिनेश सुथार, प्रदीप सुथार, मीठालाल प्रजापत, मनीष पोरवाल, महेश नागदा, राजेश गवारिया, ललित चौबीसा, महेन्द्र मेघवाल, यशवंत चौधरी, मांगीलाल दाहीमा सहित कार्यकर्ता अपने हाथों में मशाल लिए चल रहे थे।

भाव बढ़ते ही बेचा हुआ सोना - चांदी फिर से मांगने पहुंच गए, बाजार बंद, व्यापारी सड़क पर



24 न्यूज अपडेट

भीलवाड़ा। भीलवाड़ा में सोने-चांदी के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचते दाम अब व्यापारियों और ग्राहकों के बीच टकराव का कारण बनने लगे हैं। सर्राफा बाजार में पिछले कुछ दिनों से जिस तरह की घटनाएं सामने आई हैं, उसने पूरे व्यापार जगत को चिंता में डाल दिया है। हालात यहां तक पहुंच गए कि बुधवार को सर्राफा बाजार पूरी तरह बंद कर व्यापारियों को सड़कों पर उतरना पड़ा।

दरअसल, व्यापारियों का कहना है कि बीते दिनों जिन ग्राहकों ने पुराने भाव पर अपने सोने-चांदी के आभूषण बेचे थे, वे अब अचानक बढ़े नए रेट के हिसाब से दोबारा भुगतान की मांग कर रहे हैं। मामला यहीं तक सीमित नहीं रहा। कुछ महिला ग्राहक दुकानों पर पहुंचकर दबाव बना रही हैं और मना करने पर झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी तक दी जा रही है। व्यापारियों का आरोप है कि यह सब सुनियोजित तरीके से किया जा रहा है, जिससे बाजार का माहौल बिगड़ रहा है।

सर्राफा नवयुवक मंडल के अध्यक्ष मनोज सोनी ने बताया कि पिछले एक-दो महीनों में सोने-चांदी के भावों में अप्रत्याशित उछाल आया है। इस तेजी के चलते कई पुराने और परिचित ग्राहक अपने पुराने गहने बेचने बाजार आए, जिन्हें तत्कालीन बाजार भाव पर पूरा भुगतान किया गया। लेकिन अब कुछ लोग, जिनमें महिलाओं का एक समूह भी शामिल है, 15 से 20 दिन बाद फिर दुकानों पर पहुंचकर उसी बेचे गए माल को वापस लेने या नए रेट के अनुसार अतिरिक्त राशि की मांग कर रहे हैं।

व्यापारियों का कहना है कि जब वे नियमों और व्यवहारिकता का हवाला देकर मना करते हैं, तो उन्हें बदनाम करने और कानूनी कार्रवाई की धमकियां दी जाती हैं। महिला होने का फायदा उठाकर दबाव बनाया जा रहा है, जिससे छोटे व्यापारियों में डर और असुरक्षा का माहौल बन गया है। सवाल यह है कि अगर सौदा तय भाव पर पूरा हो चुका है, तो बाद में बदले हालात की जिम्मेदारी व्यापारी क्यों उठाए।

इन्हीं हालात से आक्रोशित होकर बुधवार को भीलवाड़ा का पूरा सर्राफा बाजार बंद रहा। एक भी दुकान नहीं खुली। बड़ी संख्या में व्यापारी एकत्र हुए, प्रदर्शन किया और जुलूस के रूप में जिला कलेक्ट्रेट पहुंचे। यहां उन्होंने जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक से मुलाकात कर पूरे मामले की जानकारी दी और ऐसे तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

व्यापारियों ने प्रशासन को साफ संदेश दिया कि यदि इस तरह की घटनाओं पर रोक नहीं लगी और भविष्य में किसी भी सर्राफा व्यापारी के साथ ऐसा दुर्व्यवहार दोबारा हुआ, तो वे अपने स्तर पर फैसला लेने को मजबूर होंगे। यह चेतावनी अपने आप में बताती है कि बाजार में तनाव किस हद तक पहुंच चुका है।

विराज दरक और देवांशी बहैती ने राष्ट्रीय मंच पर छोड़ी छाप



24 न्यूज अपडेट

अहमदाबाद। गुजरात के अहमदाबाद में आयोजित SPORTS CLUB BELOW 1800 ऑल इंडिया ओपन फिडे रेटिंग शतरंज प्रतियोगिता 2026 में सीआईएल इंटरनेशनल स्कूल ऑफ चेस के उभरते खिलाड़ियों ने शानदार खेल से जिले का नाम राष्ट्रीय स्तर पर चमका दिया। कम उम्र, बिना किसी राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय रेटिंग और मजबूत विरोधियों के बीच उतरते हुए खिलाड़ियों ने जो आत्मविश्वास दिखाया, उसने सबका ध्यान खींचा। प्रतियोगिता में सबसे ज्यादा चर्चा अंडर-7 बॉयज़ वर्ग में खेलने वाले विराज दरक की रही। वर्ष 2019 में जन्मे विराज ने अपने सधे हुए और आक्रामक खेल से तीसरा स्थान हासिल किया। 9 राउंड की इस कड़ी प्रतिस्पर्धा में विराज ने कुल 3.5 अंक अर्जित किए और गुजरात व राजस्थान के कई अनुभवी खिलाड़ियों को शिकस्त दी। खासतौर पर आर्णा विजय (रेटिंग 1403), देवांशी बहैती और आध्यन परमार के खिलाफ उनकी जीत ने साबित कर दिया कि भविष्य में यह खिलाड़ी बड़ी मंजिलें तय करने की क्षमता रखता है। वहीं अंडर-9 गर्ल्स वर्ग में देवांशी बहैती ने भी दमदार प्रदर्शन करते हुए चौथा स्थान हासिल किया। वर्ष 2017 में जन्मी देवांशी ने 9 राउंड में 3 अंक जुटाए और रामनीक सिंह सलूजा, शार्वी उत्सव पटेल तथा फेनिल राजपूत जैसे खिलाड़ियों को पराजित कर अपने जुझारू खेल का परिचय दिया। दबाव के क्षणों में देवांशी की रणनीतिक समझ और धैर्य ने दर्शकों व आयोजकों दोनों को प्रभावित किया। संस्था के संरक्षक तुषार मेहता ने खिलाड़ियों की सफलता को नियमित अभ्यास, अनुशासन और अनुभवी प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि इतनी कम उम्र में राष्ट्रीय स्तर पर यह प्रदर्शन भविष्य की बड़ी संभावनाओं की ओर इशारा करता है। इस उपलब्धि पर चेस इन लेकसिटी के मुख्य संरक्षक तुषार मेहता, राजस्थान राज्य शतरंज संघ के उपाध्यक्ष राजेंद्र तेली, चेस इन लेकसिटी के अध्यक्ष राजीव भारद्वाज, निलेश कुमावत, मनीष चंडालिया, दिशा सिसोदिया, हीना साहू, कपिल पंडियार, रिचीन जैन, राजस्थान राज्य शतरंज कार्यकारिणी सदस्य व प्रशिक्षक विकास साहू, भावेश पंडियार सहित लेकसिटी के समस्त पदाधिकारियों और सदस्यों ने दोनों खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं।

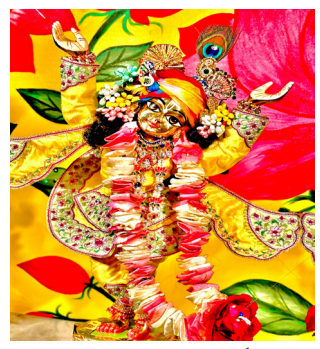
बागोर की हवेली में झण्डारोहण



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 27 जनवरी। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र उदयपुर में 77वें गणतंत्र दिवस पर केन्द्र उपनिदेशक (कार्यक्रम) पवन अमरावत द्वारा बागोर की हवेली में झण्डारोहण किया गया। इस अवसर पर केन्द्र के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

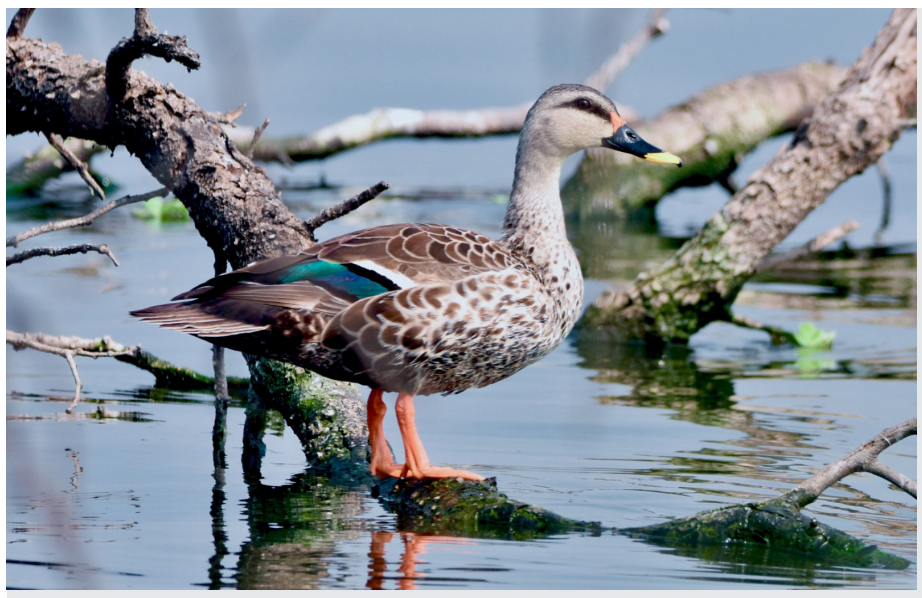
इस्कॉन कोवे में नित्यानंद त्रयोदशी महोत्सव, भक्ति-कीर्तन और प्रवचन से गूंजेगा वातावरण



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। मोहनपुरा चिरवा क्षेत्र में निर्माणाधीन गन्धर्विका गोवर्धन धारी इस्कॉन कोवे मंदिर में रविवार, 1 फरवरी को नित्यानंद त्रयोदशी महोत्सव श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ मनाया जाएगा। इस्कॉन भक्तों के लिए यह आयोजन आध्यात्मिक उल्लास और वैष्णव परंपरा की दिव्य अनुभूति का अवसर बनेगा। प्रातः 10:30 बजे प्रारंभ होगा कार्यक्रम। महोत्सव की जानकारी देते हुए प्रोजेक्ट डायरेक्टर मदन गोविंद प्रभु ने बताया कि इस पावन अवसर पर मुंबई से पधार रहे हिज होलीनेस भक्ति पद्म सौरभ प्रचारक स्वामी महाराज विशेष प्रवचन देंगे। उनके प्रवचनों के माध्यम से भगवान नित्यानंद के जीवन, भक्ति मार्ग और वैष्णव दर्शन पर प्रकाश डाला जाएगा। कार्यक्रम की शुरुआत संकीर्तन से होगी, जिसके पश्चात भगवान नित्यानंद का पंचामृत एवं पुष्प अभिषेक किया जाएगा। इसके बाद भागवत कथामृत का रसपान और सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ होंगी, जो श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक आनंद से सराबोर करेंगी। आयोजन में उपस्थित सभी भक्तों के लिए महाप्रसाद की विशेष व्यवस्था भी की गई है। महोत्सव के अंतर्गत युवाओं और कार्यरत पेशेवरों के लिए दोपहर 2 बजे एक विशेष सत्र का आयोजन किया जाएगा। इस सत्र में इस्कॉन के वरिष्ठ सदस्य एवं मंदिर अध्यक्ष भक्ति पद्म सौरभ प्रचारक स्वामी महाराज देश-विदेश में मंदिर निर्माण और सेवा कार्यों के अनुभव साझा करेंगे, साथ ही सोशल मीडिया के अनियंत्रित उपयोग से मुक्ति एवं संतुलित जीवन के उपायों पर मार्गदर्शन देंगे। आयोजकों ने उदयपुर और आसपास के क्षेत्रों के श्रद्धालुओं से इस भव्य धार्मिक आयोजन में शामिल होकर पुण्य लाभ अर्जित करने का अनुरोध किया है।

जयपुर में 31 जनवरी–1 फरवरी को होगा जयपुर बर्ड फेस्टिवल-2026

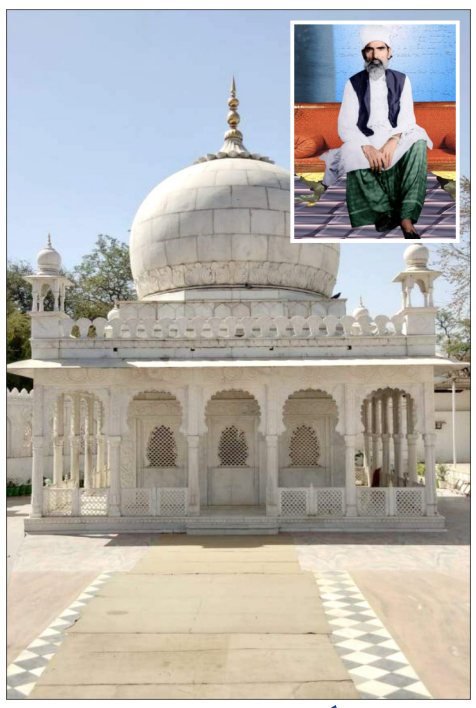


24 न्यूज अपडेट

उदयपुर/जयपुर, 28 जनवरी। पक्षियों और आर्द्रभूमियों के संरक्षण को जन-आंदोलन बनाने की दिशा में ग्रीन पीपल सोसायटी, जयपुर चैप्टर की ओर से जयपुर बर्ड फेस्टिवल-2026 का आयोजन 31 जनवरी एवं 1 फरवरी को कानोता कैंप रिजॉर्ट, जामडोली (जयपुर) में किया जाएगा। यह दो दिवसीय राज्य स्तरीय आयोजन राजस्थान सरकार के वन विभाग एवं डब्ल्यूडब्ल्यूएफ इंडिया के सहयोग से होगा। फेस्टिवल की थीम "JOIN THE CELEBRATION OF WINGS & WETLANDS" रखी गई है। ग्रीन पीपल सोसायटी के उपाध्यक्ष एवं फेस्टिवल संयोजक विक्रम सिंह (सेवानिवृत्त आईएएस) ने बताया कि यह आयोजन उदयपुर बर्ड फेस्टिवल की 12 वर्षों की सफल परंपरा से प्रेरित है और जयपुर में पक्षी संरक्षण को मजबूत मंच प्रदान करेगा। पहला दिन (31 जनवरी) शैक्षणिक और रचनात्मक गतिविधियों को समर्पित रहेगा। इसमें नेचर क्विज, पेंटिंग प्रतियोगिता, बर्ड फोटोग्राफी व पेंटिंग प्रदर्शनी, रैप्टर्स प्रदर्शनी, वीआर एक्सपीरियंस और डाक टिकट (फिलैटली) प्रदर्शनी आयोजित होंगी। साथ ही रिसोर्स पर्सन्स और उभरते लेखकों के लिए विशेष कार्यशालाएं तथा राज्य स्तरीय सम्मेलन भी होगा, जिसमें वन, पर्यावरण और पर्यटन विभाग के अधिकारी, डब्ल्यूडब्ल्यूएफ इंडिया, एनजीओ और विशेषज्ञ भाग लेंगे। दूसरे दिन (1 फरवरी) प्रतिभागियों के लिए सांभर साल्ट लेक, बरखेड़ा–चंदलाई–मुहाना क्षेत्र, केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान, तालछापर अभयारण्य तथा रणथम्भौर या सरिस्का जैसे स्थलों का फील्ड विजिट प्रस्तावित है। संयोजक विक्रम सिंह ने कहा कि यह फेस्टिवल प्रकृति और मानव के बीच संतुलन स्थापित करने की दिशा में एक सार्थक प्रयास है, जो विशेषकर विद्यार्थियों और युवाओं में पक्षी एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाएगा।



हजरत पीर मोहम्मद अब्दुल शकूर साहब "शहीदेनाज़" का 55वां पांच दिवसीय उर्स मुबारक 29 से



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। कौमी एकता और भाईचारे के प्रतीक हजरत सैय्यदना पीर मोहम्मद अब्दुल शकूर साहब "शहीदेनाज़" का 55वां सालाना पांच दिवसीय उर्स मुबारक 29 जनवरी से 2 फरवरी 2026 तक ब्रह्मपोल बाहर स्थित दरगाह पीर अब्दुल शकूर साहब "शहीदेनाज़" पर सज्जादानशीन हजरत अब्दुल अज़ीम मियां साहब की जेरे-सरपरस्ती में आयोजित किया जाएगा। हजरत पीर मोहम्मद अब्दुल शकूर साहब क़ादरी रहमतुल्लाह अलैह (विलादतः 01 अप्रैल 1906 | विसालः 21 सितम्बर 1972) अपनी सूफियाना तहजीब, कौमी एकता, प्रेम और भाईचारे के लिए अमर हैं। 55वें उर्स के मौके पर फातिहाखानी, दस्तारबंदी और कुल की रस्म अदा की जाएगी, साथ ही अमन-चैन और खुशहाली की दुआएं की जाएंगी। उर्स का समापन प्रतिदिन दोपहर 1 बजे होगा। मक़तबा-ए-शहीदिया ट्रस्ट और दरगाह उर्स कमेटी शहीदी रशीदी के प्रवक्ता ने बताया कि उर्स की शुरुआत 29 जनवरी को जश्न-ए-चिरागां से होगी। 30 जनवरी को बाद नमाज़-ए-असर के बाद दरगाह शरीफ के "बुलंद दरवाज़ा शहीदेनाज़" पर परचम कुशाई (झंडा चढ़ाने) की रस्म संपन्न होगी। 31 जनवरी को बाद नमाज़-ए-जुहर सालाना गुस्ल और सन्दल की रस्म अदा की जाएगी। इसी दिन सज्जादानशीन की सदारत में सिलसिला-ए-आलिया और खानकाही सरकारी चादर शरीफ का जुलूस निकलेगा। यह जुलूस शाम 5 बजे खानकाह पीर महल शहीदेनाज़, 28 जाटवाड़ी से शुरू होकर बैंड-बाजे, ढोल-नगाड़ों, कव्वालियों की मधुर धुनों के साथ जाटवाड़ी, सिलावटवाड़ी, हरवन जी का खुर्रा, हाथीपोल, पन्नाधाय मार्ग और चांदपोल होते हुए ब्रह्मपोल बाहर स्थित दरगाह शरीफ तक पहुँचेगा, जहाँ मजार शरीफ पर चादर पेश की जाएगी। 01 और 02 फरवरी की रात 9 बजे देशभर से पधारी मशहूर कव्वाल पार्टियों द्वारा हजरत पीर अब्दुल शकूर साहब की रचनाओं, दीवान "शहीदेनाज़" के सूफियाना कलाम की महफिल-ए-समा आयोजित की जाएगी। इस दौरान गंगा-जमुनी तहज़ीब, प्रेम, भाईचारा और सद्भावना की रूहानी फिज़ा पूरे पांडाल में फैलेगी। 02 फरवरी को उर्स के अंतिम दिन महफिल-ए-रंग का आयोजन सभी कव्वाल पार्टियों के सामूहिक प्रदर्शन के साथ संपन्न होगा। कुल की रस्म के दौरान फातिहाखानी और प्रसाद वितरण किया जाएगा। उर्स में मालवा, मेवाड़, मारवाड़, पाली, गुजरात, मध्यप्रदेश सहित विभिन्न क्षेत्रों से हिंदू-मुस्लिम श्रद्धालु बड़ी संख्या में शिरकत करेंगे। अकीदतमंद न्याजो-नज़र चढ़ाकर अमन, चैन, सुकून और खुशहाली की दुआएं मांगेंगे।

राष्ट्रीय सीनियर कबड्डी के लिए उदयपुर के दो खिलाड़ियों का चयन



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। बड़ौदा (गुजरात) में 24 से 27 फरवरी तक आयोजित होने वाली 72वीं राष्ट्रीय सीनियर कबड्डी प्रतियोगिता के लिए राजस्थान टीम के प्रशिक्षण कैंप में उदयपुर के दो खिलाड़ियों का चयन किया गया है। जिला कबड्डी संघ उदयपुर के सचिव मुकेश जैन ने बताया कि राज्य कबड्डी संघ द्वारा आयोजित इस प्रशिक्षण कैंप के लिए पियूष चौबीसा एवं आफताब खान को चुना गया है। राष्ट्रीय सीनियर कबड्डी प्रतियोगिता की तैयारियों के तहत आयोजित इस कैंप में दोनों खिलाड़ी राजस्थान टीम में स्थान बनाने के उद्देश्य से कड़ा अभ्यास करेंगे। चयन की खबर मिलते ही जिले के खेल प्रेमियों और कबड्डी जगत में खुशी की लहर दौड़ गई। दोनों खिलाड़ियों के चयन पर जिला कबड्डी संघ उदयपुर के संरक्षक प्रमोद सामर, अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह खनूजा, आयोजन सचिव जालमचंद जैन, कबड्डी कोच कपिल जैन तथा श्याम सुंदर शर्मा ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। संघ पदाधिकारियों ने विश्वास जताया कि पियूष चौबीसा और आफताब खान प्रशिक्षण कैंप में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर राजस्थान टीम के लिए बेहतर योगदान देंगे और राष्ट्रीय स्तर पर उदयपुर का गौरव बढ़ाएंगे।

प्रशासन ने कहा-फूल बरसाएंगे स्नान कर लीजिए- शंकराचार्य नहीं माने, व्यथित मन के प्रयागराज से हो गए विदा



24 न्यूज अपडेट

प्रयागराज। प्रयागराज माघ मेले में उपजे विवाद के बाद शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने मेला समय से पहले छोड़ दिया है। वह बिना संगम स्नान किए काशी के लिए रवाना हो गए। बुधवार सुबह प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि उनका मन अत्यंत व्यथित है और ऐसे भाव में स्नान करना उन्हें स्वीकार नहीं। शंकराचार्य ने कहा कि प्रयागराज सदियों से आस्था और शांति की धरती रहा है। वह श्रद्धा भाव से माघ मेले में आए थे, लेकिन जो घटनाक्रम सामने आया, उसकी उन्होंने कभी कल्पना नहीं की थी। उन्होंने कहा कि इस पीड़ा की भरपाई कौन करेगा, यह कहना कठिन है—कौन सा नेता या कौन सी पार्टी इस क्षति को भर पाएगी, यह सवाल बना हुआ है। उन्होंने बताया कि माघ मेला प्रशासन की ओर से उन्हें पत्र भेजकर सम्मानपूर्वक पालकी से संगम ले जाकर स्नान कराने, पुष्पवर्षा करने का प्रस्ताव दिया गया था, लेकिन उन्होंने इसे ठुकरा दिया। शंकराचार्य ने कहा कि जब मन में दुख और आक्रोश हो, तब पवित्र जल भी शांति प्रदान नहीं कर पाता। उल्लेखनीय है कि माघ मेला 15 फरवरी तक प्रस्तावित है और अभी दो प्रमुख स्नान—माघी पूर्णिमा (1 फरवरी) और महाशिवरात्रि (15 फरवरी)—शेष थे। बावजूद इसके, शंकराचार्य ने विवाद के चलते मेला 18 दिन पहले ही छोड़ने का निर्णय लिया। इससे पहले मौनी अमावस्या के दिन प्रशासन से हुए विवाद के बाद वह बिना स्नान लौट गए थे और बसंत पंचमी पर भी उन्होंने स्नान नहीं किया था। अब शेष दोनों स्नानों में भी उनकी सहभागिता नहीं होगी।

गोगुंदा में जनसमस्याओं का उबाल, किसानों-आदिवासियों की आवाज लेकर एसडीएम कार्यालय तक पहुँची भाकपा



24 न्यूज अपडेट

गोगुंदा। गोगुंदा क्षेत्र में किसानों, आदिवासियों और गरीब मजदूरों की वर्षों से लंबित समस्याओं को लेकर बुधवार को माहौल गरमा गया। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की तहसील गोगुंदा इकाई के आह्वान पर बड़ी संख्या में ग्रामीण पुरुष-महिलाएं एकजुट हुए और प्रशासन के खिलाफ अपनी पीड़ा खुलकर सामने रखी। राजतिलक पार्क में आयोजित भाकपा तहसील शाखा की बैठक की अध्यक्षता धापू बाई ने की। बैठक में सैकड़ों ग्रामीणों की मौजूदगी ने यह साफ कर दिया कि समस्याएं अब व्यक्तिगत नहीं, बल्कि पूरे इलाके की साझा पीड़ा बन चुकी हैं। तहसील सचिव लहरुदास ने एक-एक कर क्षेत्र की जमीनी समस्याएं रखीं। उन्होंने बताया कि वर्षों से काबिज परिवारों को अब तक आवासीय और कृषि पट्टे नहीं मिले हैं, कच्ची सड़कें लोगों की दिनचर्या को मुश्किल बना रही हैं, नरेगा कार्य ठप पड़े हैं और किसानों को बिजली कटौती से भारी नुकसान झेलना पड़ रहा है। बैठक को संबोधित करते हुए भाकपा जिला सचिव हिम्मत चांगवाल ने कहा कि गोगुंदा का आदिवासी और गरीब वर्ग लगातार उपेक्षा का शिकार हो रहा है। उन्होंने इन तमाम मुद्दों को लेकर उपखंड अधिकारी को ज्ञापन देने का प्रस्ताव रखा, जिसे उपस्थित लोगों ने सर्वसम्मति से स्वीकार किया। इसके बाद ग्रामीणों ने एकजुट होकर जुलूस के रूप में एसडीएम कार्यालय की ओर कूच किया। एसडीएम की अनुपस्थिति में ज्ञापन तहसीलदार को सौंपा गया। ज्ञापन में प्रशासन से स्पष्ट शब्दों में मांग की गई कि पीढ़ियों से बसे आदिवासी, दलित और गरीब परिवारों को बेदखली की धमकियों से मुक्त कर उन्हें आवासीय पट्टे दिए जाएं और वन अधिकार कानून को पूरी तरह लागू किया जाए। ग्रामीणों ने बताया कि क्षेत्र में सड़कें आज भी कच्ची हैं और डामरीकरण का काम वर्षों से लंबित है। विशेष रूप से खुमानों का गुड़ा, मऊड़ी से रावलिया कलां तक सड़क निर्माण की अनदेखी पर नाराजगी जताई गई। नरेगा योजना में बदलाव और फंडिंग को लेकर भी विरोध दर्ज कराया गया तथा योजना को मूल स्वरूप में बहाल कर 150 दिन का रोजगार और 600 रुपये प्रतिदिन मजदूरी देने की मांग उठाई गई।

किसानों ने बिजली आपूर्ति में लगातार कटौती और स्मार्ट मीटर लगाए जाने के विरोध में भी आवाज बुलंद की। वहीं अरावली पर्वतमाला की सुरक्षा को लेकर 100 मीटर तक के पहाड़ों को पहाड़ नहीं मानने के फैसले पर कानून बनाकर सभी पहाड़ों को संरक्षित करने की मांग की गई। गांवों में पेयजल आपूर्ति की बदहाली और टूटते प्लास्टिक नलों का मुद्दा भी ज्ञापन में प्रमुखता से शामिल रहा। साथ ही खमान का गुड़ा, पंचायत रावलिया कलां को राजस्व गांव घोषित करने की मांग दोहराई गई।

हनुमान मंदिर कलश एवं मूर्ति स्थापना महोत्सव पूरी भव्यता के साथ संपन्न



24 न्यूज अपडेट

खेरवाड़ा, एक हजार वर्ष प्राचीन श्री हनुमान मंदिर का जीर्णोद्धार कर कलश, ध्वजारोहण एवं अन्य मूर्ति स्थापना का दो दिवसीय महोत्सव का निकट गांव जवास में भव्य समापन हुआ। आयोजन समिति ने बताया कि दूसरे एवं अंतिम दिन प्रातः 10:00 बजे भव्य कलश यात्रा निकाली गई जो कस्बे के विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए पुनः मंदिर परिसर पहुंची। महिलाओं ने चुंदड़ी ड्रेस पहन कर सिर पर कलश धारण करते हुए बैंड बाजे की धुन पर नाचते गाते कलश यात्रा में भाग लिया। आचार्य पुनीत व्यास एवं सहआचार्य भाविक व्यास के सानिध्य में दो दिवसीय कार्यक्रम संपन्न हुए। अंतिम दिन बुधवार को आचार्य एवं सहआचार्य के सानिध्य में दोपहर बाद शिखर एवं अन्य मूर्तियां शनि देव एवं भैरव की विधिवत रूप से पूरे विधि विधान एवं मंत्रोच्चारण के साथ प्रतिष्ठा की गई। मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण किया गया। दोपहर 1:30 बजे बाद पूर्णाहुति एवं महा आरती की गई। ध्वजा दण्ड स्थापना राम मंदिर का लाभ महेंद्र प्रसाद व्यास , जागेश्वर मंदिर के लिए रतनलाल प्रजापत एवं हनुमान मंदिर के लिए नगेंद्र जोशी ने प्राप्त किया। कलश स्थापना हनुमान मंदिर पर विपिन जोशी को सौभाग्य प्राप्त हुआ वहीं शनि देव मूर्ति स्थापित करने का सौभाग्य मधुसूदन व्यास

को एवं भेरव मूर्ति स्थापना भुपत सिंह गरबानी द्वारा की गई। इससे पूर्व मंगलवार रात्रि में हनुमान मंदिर परिसर में सुंदरकांड समारोह आयोजित किया गया जिसमें पूरे साज आवाज के साथ सैकड़ो श्रद्धालुओं ने भाग लेकर सुंदरकांड का धर्म लाभ प्राप्त किया। दो दिवसीय धार्मिक आयोजन में जवास के अलावा खेरवाड़ा, झुन्थरी, ऋषभदेव, डूंगरपुर, उदयपुर एवं अन्य राज्यों गुजरात, महाराष्ट्र आदि में प्रवासरत सैकड़ों समाजजनों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करा धर्म लाभ प्राप्त किया। समापन पर आयोजन समिति की ओर से सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

"जवास – एक प्राकृतिक व ऐतिहासिक धरोहर" पुस्तक का हुआ विमोचन

सेवानिवृत्त हाईकोर्ट जज विजय कुमार व्यास मूलतः जवास निवासी द्वारा पुरानी दुर्लभ पुस्तकों, ऐतिहासिक स्रोतों तथा समाज के सभी वर्गों के प्रतिष्ठित जनों से संवाद एवं शोध के माध्यम से "जवास – एक प्राकृतिक व ऐतिहासिक धरोहर" जैसी महत्वपूर्ण पुस्तक का सृजन किया है। यह कृति न केवल जवास की समृद्ध परंपरा, संस्कृति एवं इतिहास को सहेजने का कार्य करती है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक अमूल्य धरोहर सिद्ध होगी। व्यास द्वारा सृजित इस पुस्तक का दिनांक 28 जनवरी 2026, बुधवार को हनुमान मंदिर के जिर्णोद्धार उपरांत दो दिवसीय भव्य धार्मिक अनुष्ठानों के समापन के अवसर पर जवास एवं आसपास के सैकड़ों ग्रामवासियों के पावन सानिध्य में जागेश्वर मंदिर, हनुमान मंदिर एवं राम मंदिर को समर्पित करते हुए विमोचन किया गया।इस अवसर पर आध्यात्मिकता, संस्कृति और इतिहास का अनुपम संगम हुआ। यह कृति व्यास के व्यक्तित्व, संवेदनशीलता एवं बौद्धिक प्रतिबद्धता का सजीव प्रमाण है। इससे पूर्व व्यास को इस रचना के लिए सैकड़ों धर्मावलंबियों की उपस्थिति में सम्मानित किया गया। विमोचन समारोह में राणी दशरथकुवंर ,यजमान महेंद्र प्रसाद व्यास ,कुरी चंद्र पटेल, वकत सिंह ,दुर्जय सिंह ,शांति लाल व्यास ,

सुरेश चंद्र व्यास ,आचार्य पुनीत ,रमेश व्यास , दिलिप व्यास, कोदर पंचाल ,निवेदिता व्यास,

सरपंच रमेश मीणा आदि उपस्थित रहे।

खन्ना साहब के राज में हाल-बेहाल, निगम में आरटीआई लगाने गए वकील साहब की आपबीती पढ़िये- 2 घंटे, तीन कमरे, कर दिया घनचक्कर!!



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर नगर निगम वैसे तो अपने महान कर्मचारियों की वजह से आज से नहीं, बरसों से सुर्खियों में रहा है मगर मौजूदा आयुक्त साहब के कार्यकाल में कर्मचारी कुछ ज्यादा ही स्वच्छंद होकर खुली मनमानी करने लगे हैं। इसका कॉन्फिडेंस उनको लोकल नेताओं की मिलीभगत से मिल रहा है या फिर असरशाही ने ही अंदरखाने खुली छूट दे दी है, यह जांच का विषय है। आज बात होगी सूचना के अधिकार के एक नायाब मामले की। खबर से पहले डिस्क्लेमर ये है कि इसमें वकील साहब का नाम नहीं लिखा जा रहा है क्योंकि उनकी परमिशन है कि नाम नहीं लिखा जाए। तो हुआ यूं कि जब अधिवक्ता साहब आरटीआई आवेदन जमा कराने निगम मुख्यालय पहुंचे तो अजब गजब के बहाने बना कर टालमटोल करने का प्रयास किया गया। एक ऐसी कहानी बन गई, जो सिस्टम की सोच और रवैये पर बड़ा सवाल छोड़ गई। घटना 11 सितंबर 2025 की है। अधिवक्ता नगर निगम उदयपुर के कार्यालय के कमरा नंबर 28 पहुँचे। उनके हाथ में दो आरटीआई आवेदन थे, यहां वरिष्ठ सहायक देवेन्द्र कसाणा से मुलाकात हुई। आवेदन और 10 रूपए का पोस्टल ऑर्डर सामने रखा गया, व आवेदन लेकर रसीद देने को कहा गया। लेकिन आवेदन लेने से पहले ही नियमों की नई किताब खोल दी। कहा गया कि मोबाइल नंबर लिखना जरूरी है और आधार कार्ड की प्रति भी लगानी होगी। अधिवक्ता ने जब आरटीआई अधिनियम का हवाला दिया और पूछा कि ये शर्तें किस नियम में लिखी हैं, तो जवाब देते नहीं बना। यहां से कहानी मोड़ लेती है। अधिवक्ता को कमरा नंबर 30, जिसे निगम में स्टोर रूम कहा जाता है, वहां पर भेज दिया गया। वहां वरिष्ठ सहायक हाकरचंद बैठे थे। उम्मीद थी कि यहां बात आगे बढ़ेगी, लेकिन यहां भी वही नियमों की रेडिमेड दीवार पहले से खड़ी थी। बिना मोबाइल नंबर और आधार के आवेदन नहीं लिया जाएगा कहा गया। इतना ही नहीं, यह भी कहा गया कि नगर निगम में अब ऑफलाइन आरटीआई ली ही नहीं जाती, सिर्फ ई-मित्र से आवेदन करना होगा। सवाल उठता है कि अगर ऑफलाइन आरटीआई बंद है, तो फिर आरटीआई कानून क्यों कहता है कि आवेदन साधारण कागज पर भी दिया जा सकता है।

अधिवक्ता ने पूछा कि यह व्यवस्था किस आदेश के तहत लागू है, तो कोई आदेश सामने नहीं आया। उल्टा उन्हें दोबारा देवेन्द्र कसाणा के पास भेज दिया गया।

देवेन्द्र कसाणा को "ऑफिस कोडवर्ड" में डी.एम.सी. के पास भेजा गया। इसके बाद अधिवक्ता को श्री दिलीप भारद्वाज के पास ले जाया गया। दिलीप भारद्वाज ने मौखिक रूप से कहा कि आवेदन की रसीद दे दी जाए और किसी चेतन जी से सूचना लेने को कहा। लेकिन चेतन जी का फोन नहीं लगा।

एक बार फिर अधिवक्ता को वापस कमरा नंबर 30 लाया गया। यहां यह बताया गया कि मोबाइल नंबर और आधार नहीं देने पर नोटिस जारी किया जाएगा और सूचना रोकी जाएगी। सवाल यह उठता है कि सूचना मांगना कब से नोटिस का अपराध बन गया। काफी मशक्कत के बाद अधिवक्ता के दो आरटीआई आवेदनों की सेकंड कॉपी पर केवल क्रमांक और मोहर तो लगा दी गई, लेकिन नाम और हस्ताक्षर वाली मोहर देने से इनकार कर दिया गया, जबकि राज्य सरकार के परिपत्र साफ कहते हैं कि प्राप्ति रसीद पर पूरा विवरण होना चाहिए।

कहानी यहीं नहीं रुकी। अधिवक्ता ने तीसरा आरटीआई आवेदन वहीं पर लिखा और 10 नगद शुल्क देने की कोशिश की, लेकिन कहा गया कि नगद नहीं लिया जाएगा, सिर्फ पोस्टल ऑर्डर ही मान्य है। जब लोक सूचना अधिकारी का नाम और कक्ष संख्या पूछी गई, तो जवाब मिला कि इसकी जानकारी उपलब्ध नहीं है। सवाल यह भी है कि जिस अधिकारी से सूचना मिलनी है, उसका नाम ही आम नागरिक को पता नहीं चले, तो सूचना का अधिकार किसके भरोसे छोड़ा गया है। ऐसे में यह तो अनुमान लगा ही सके हैं कि निगम के कर्मचारियों को आयुक्त साहब का नाम भी शायद ही पता हो।

बहरहाल, लिखित शिकायत देने के लिए सादा कागज मांगा गया, तो वह भी उपलब्ध नहीं कराया गया। पूरे नगर निगम परिसर में कहीं भी लोक सूचना अधिकारी से संबंधित स्पष्ट सूचना बोर्ड नजर नहीं आया। अधिवक्ता को मजबूर होकर बाहर जाकर पोस्टल ऑर्डर लाना पड़ा। तीसरा आवेदन देने पर फिर आपत्ति खड़ी की गई कि पोस्टल ऑर्डर पुराना है और तारीख स्पष्ट नहीं है।

करीब दो घंटे से ज्यादा समय तक चले इस पूरे घटनाक्रम के बाद आखिरकार तीसरे आवेदन की रसीद दी गई, लेकिन वह भी अधूरी, बिना पूरी पहचान और जिम्मेदारी वाली मोहर के। यह सिर्फ एक अधिवक्ता की परेशानी नहीं थी, बल्कि उस आम नागरिक की कहानी थी, जो नगर निगम में सूचना मांगने जाता है और जवाब की जगह चक्कर पा जाता है।

सवाल अब सिर्फ इतना नहीं है कि आरटीआई क्यों रोकी जा रही है। सवाल यह है कि जब एक कानून जानने वाले वकील को देवेन्द्र कसाणा, हाकरचंद, दिलीप भारद्वाज और अदृश्य चेतन जी के बीच भटकना पड़े, तो आम आदमी किस दरवाजे पर दस्तक देगा। नगर निगम में सूचना का अधिकार आज भी कानून की किताबों में जीवित है, लेकिन दफ्तरों में वह किस हाल में है, यह कहानी उसी सच्चाई को बयां करती है।

अरावली की विरासत बचाने को उदयपुर बनेगा वैश्विक मंथन का केंद्र, 7–8 फरवरी को चौथा अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण सम्मेलन



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। पर्यावरण संरक्षण और अरावली पर्वत श्रृंखला की विरासत को बचाने की दिशा में उदयपुर एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय विमर्श का साक्षी बनने जा रहा है। राजस्थान विद्यापीठ, तरुण भारत संघ और जलबिरादरी के संयुक्त तत्वावधान में 7 व 8 फरवरी को "अरावली की विरासत : संस्कृति, प्रकृति, खेती, मिट्टी, पहाड़ियां और पानी बचाने हेतु" चौथे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन विद्यापीठ परिसर में किया जाएगा। दो दिवसीय इस सम्मेलन में भारत सहित 15 से अधिक देशों के पर्यावरण, जल, मिट्टी और कृषि विशेषज्ञ भाग लेंगे। सम्मेलन की जानकारी देते हुए राजस्थान विद्यापीठ के कुलपति प्रो. शिवसिंह सारंगदेवोत ने बताया कि यह आयोजन केवल चर्चा तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पर्यावरण संरक्षण के व्यावहारिक मॉडल सामने लाने पर केंद्रित होगा। उन्होंने चिंता जताई कि राजस्व के नाम पर पहाड़ियों को खत्म किया गया, जिससे पूरा इको-सिस्टम प्रभावित हुआ और जैव विविधता को भारी नुकसान पहुंचा। अरावली का संरक्षण ही बेहतर पर्यावरण, अच्छी वर्षा और समृद्ध खेती की कुंजी है। सम्मेलन में अरावली को हरित बनाने के उपाय, उसकी प्राचीन संस्कृति व प्रकृति का महत्व, वर्षा चक्र और खेती के पारंपरिक संबंध, साथ ही भारतीय संविधान में अरावली संरक्षण की अवधारणा जैसे विषयों पर तकनीकी सत्रों में मंथन होगा। विश्वविद्यालयों और शिक्षा विभागों की भूमिका पर भी विशेष चर्चा की जाएगी। मैग्सेसे पुरस्कार से सम्मानित 'पानी वाले बाबा' डॉ. राजेन्द्र सिंह ने बताया कि सम्मेलन पूरी तरह व्यवहारिक स्वरूप का होगा। इसमें नीदरलैंड के प्रख्यात जल विशेषज्ञ और विश्व बैंक के पूर्व निदेशक बॉस्टियन मोहर्रम, जर्मनी के मिट्टी व भू-संरचना विशेषज्ञ हलमट सहित कई अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि अरावली ग्यारह सभ्यताओं—ब्रज, मत्स्य, ढढ़ाण, हडोती, मगरा, मेवाड़, शेखावटी, मारवाड़, बागड़, चंबल और डांग—का संगम है और चार राज्यों के 40 जिलों में फैली यह पर्वत श्रृंखला भारत की अमूल्य धरोहर है। सम्मेलन के संयोजक डॉ. युवराज सिंह राठौड़ ने बताया कि उच्चतम न्यायालय के 20 नवंबर 2025 के निर्णय ने अरावली संरक्षण को नई दिशा दी है। अब वैज्ञानिकों, शिक्षकों, किसानों, विद्यार्थियों और समाज के हर वर्ग को अपनी भूमिका निभानी होगी। खेती के माध्यम से अरावली को हरा-भरा बनाने की योजना पर कार्य करते हुए दुनिया भर के कृषि विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया है।

पीएम किसान सम्मान निधि में बड़ा फर्जीवाड़ा उजागर, 550 की जांच में 533 अपात्र पाए गए



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। डूंगरपुर जिले में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आया है। जांच में सामने आया कि योजना की सूची में बड़ी संख्या में ऐसे लोगों के नाम शामिल कर दिए गए, जो पात्रता की शर्तों पर खरे नहीं उतरते। अब तक की जांच में 550 लाभार्थियों की पड़ताल की गई, जिनमें से 533 को अपात्र घोषित किया गया है। इस मामले को सांसद डॉ. मन्नालाल रावत ने जिला दिशा समिति की बैठक में तथ्यों के साथ उठाया था। उन्होंने बताया था कि डूंगरपुर जिले की कुछ ग्राम पंचायतों में योजना की सूची में गंभीर अनियमितताएं हैं। सांसद द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के आधार पर राज्य सरकार को रिपोर्ट भेजी गई, जिसके बाद मुख्यमंत्री के निर्देश पर जिला कलेक्टर डूंगरपुर ने पूरे प्रकरण की जांच करवाई। जिला प्रशासन की ओर से करवाई गई जांच में सामने आया कि पीएम किसान सम्मान निधि योजना में अपात्र लोगों को भी लाभान्वित कर दिया गया। कलेक्टर कार्यालय के अनुसार कुल 550 व्यक्तियों की सूची प्राप्त हुई थी, जिनकी जांच संबंधित तहसीलदारों से करवाई गई। जांच में केवल 17 लाभार्थी पात्र पाए गए, जबकि 533 लोग अपात्र निकले। अपात्रता के प्रमुख कारणों में संबंधित व्यक्तियों का स्थानीय काश्तकार न होना, मूल निवासी नहीं होना और कई मामलों में संपर्क में नहीं आना शामिल है। प्रशासनिक जांच में ग्राम पालगामडी, बारों का शेर, बोलाडरा, मानतफला, बटका फला, मेताली, गुमानपुरा और सेरावाड़ा सहित कई ग्राम पंचायतों में स्थिति गंभीर पाई गई, जहां कुछ अपवादों को छोड़कर अधिकांश नाम अपात्र पाए गए। सांसद डॉ. मन्नालाल रावत ने इस मामले को गंभीर बताते हुए कहा है कि इतनी बड़ी संख्या में अपात्र लोगों का योजना की सूची में शामिल होना प्रशासनिक लापरवाही और सुनियोजित गड़बड़ी की ओर इशारा करता है। उन्होंने मांग की है कि अपात्र लाभार्थियों के नाम जोड़ने में शामिल लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए।

बीएनपीजी में ठाकुर गुमान सिंह राठौड़ स्मृति आशु भाषण प्रतियोगिता



24 न्यूज अपडेट

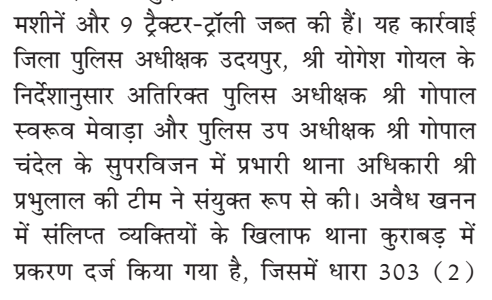
उदयपुर। भूपाल नोबल्स स्नातकोत्तर महाविद्यालय में भूतपूर्व छात्र संघ एवं भूपाल नोबल्स संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में ठाकुर गुमान सिंह राठौड़ स्मृति अंतःसंकाय आशु भाषण प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। अधिष्ठाता प्रो. रेणू राठौड़ ने ठाकुर गुमान सिंह राठौड़ के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए संस्थान के प्रति उनके अमूल्य योगदान को स्मरण किया। प्रतियोगिता की संयोजक डॉ. चंद्ररेखा शर्मा ने नियमों और उद्देश्य की जानकारी देते हुए आयोजन की रूपरेखा प्रस्तुत की। मुख्य अतिथि संस्थान चेयरपर्सन मानद कर्नल प्रो. शिव सिंह सारंगदेवोत ने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा कि महानता का अर्थ केवल नाम कमाना नहीं, बल्कि अपने कार्यों से मानवता के लिए योगदान देना है। उन्होंने विद्यार्थियों को अनुशासन, आत्मविश्वास, निस्वार्थ सेवा, लक्ष्य के प्रति एकाग्रता और निरंतर सीखने की आदत विकसित करने का संदेश दिया। विशिष्ट अतिथि डॉ. महेंद्र सिंह राठौड़, सचिव विप्रस ने कहा कि हमारे विचार ही हमारे जीवन को आकार देते हैं। सकारात्मक सोच ही हताशा के क्षणों में आशा और ऊर्जा का संचार करती है। सफलता भाग्य नहीं, बल्कि परिश्रम और सकारात्मक दृष्टिकोण का परिणाम होती है।

प्रबंध निदेशक श्री मोहब्बत सिंह राठौड़ ने विद्यार्थियों से स्वयं पर विश्वास रखने और अपनी क्षमताओं पर संदेह न करने का आह्वान किया। वहीं ओल्ड बॉयज एसोसिएशन के मंत्री श्री भानु प्रताप सिंह सोलंकी ने निराशा को त्याग कर उज्ज्वल भविष्य की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में कार्यकारिणी सदस्य श्री महेंद्र सिंह पाखंड, श्री नवल सिंह जूड़, डीन पीजी स्टडीज प्रो. प्रेम सिंह रावलोत, परीक्षा नियंत्रक प्रो. मोहन सिंह राठौड़, अधिष्ठाता प्रो. माधवी राठौड़, सह अधिष्ठाता प्रो. रितु तोमर, प्रो. संगीता राठौड़, प्रो. अपर्णा शर्मा, छात्र कल्याण सह अधिष्ठाता डॉ. गिरधरपाल सिंह सहित समस्त संकाय सदस्य उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में 23 प्रतिभागियों ने ऑपरेशन सिंदूर, वृद्धाश्रम, पावर ऑफ इंडिया, डिजिटल दुनिया, खेलों का महत्व, संयुक्त परिवार और हिंदी भाषा का महत्व जैसे विविध विषयों पर आत्मविश्वास के साथ अपने विचार रखे। कार्यक्रम का कुशल संचालन डॉ. प्रवीणा राठौड़ ने किया।



कुराबड़ में अवैध बजरी खनन पर पुलिस की बड़ी कार्रवाईः 2 जेसीबी और 9 ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। थाना कुराबड़ और जिला सुरक्षा टीम (डी.एस.टी.) ने अवैध बजरी खनन के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए मकरेडी नदी क्षेत्र से 2 जेसीबी मशीनें और 9 ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त की हैं। यह कार्रवाई जिला पुलिस अधीक्षक उदयपुर, श्री योगेश गोयल के निर्देशानुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री गोपाल स्वरूप मेवाड़ा और पुलिस उप अधीक्षक श्री गोपाल चंदेल के सुपरविजन में प्रभारी थाना अधिकारी श्री प्रभुलाल की टीम ने संयुक्त रूप से की। अवैध खनन में संलिप्त व्यक्तियों के खिलाफ थाना कुराबड़ में प्रकरण दर्ज किया गया है, जिसमें धारा 303 (2) बीएनएस और 4, 21 MMRD, 54, 60 RM-MCR शामिल हैं। पुलिस अब सभी आरोपियों की पहचान कर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेगी। इस कार्रवाई में शामिल टीम के सदस्य इस प्रकार हैंः थाना कुराबड़ः श्री प्रभुलाल, थानाधिकारी श्री ईश्वरलाल सउनि, डी.एस.टी.ः, श्री विक्रम सिंह सउनि, प्रभारी डीएसटी, श्री करतार सिंह, हैड कांस्टेबल, श्री शांतिलाल, हैड कांस्टेबल, श्री योगेश कुमार, हैड कांस्टेबल, श्री प्रकाश चंद्र, हैड कांस्टेबल, श्री अखिलेश्वर कुमार, हैड कांस्टेबल श्री भगवतसिंह, हैड कांस्टेबल, श्री हितेन्द्र सिंह, हैड कांस्टेबल, श्री लोकेन्द्र सिंह, कांस्टेबल, श्री गणेशसिंह, हैड कांस्टेबल, श्री मुकेश कुमार, कांस्टेबल, श्री जगदीश कुमार, हैड कांस्टेबल, श्री लोकेश कुमार, कांस्टेबल, श्री भंवरलाल, हैड कांस्टेबल, श्री भुपेन्द्र कुमार, कांस्टेबल, श्री शक्तिसिंह, कांस्टेबल, श्री सुमेर सिंह, कांस्टेबल श्री विरेन्द्र साहू, कांस्टेबल, श्री कमलेश, कांस्टेबल, श्री मुकेश, कांस्टेबल, श्री जितेन्द्र, कांस्टेबल, श्री कृष्ण, कांस्टेबल

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।